Report on a Webinar

WOMEN: INDIAN AND GLOBAL CONTEXT

Jointly Organized by

JANANAYAK CHANDRASHEKHAR UNIVERSITY
&
SHRI MURLI MANOHAR TOWN POST GRADUATE COLLEGE, BALLIA

On 31.08.2020

The women cell of JNCU, Ballia and SMM town PG College Ballia jointly organized a webinar on the topic, Women: Indian and Global Context. The following dignitaries glorified the event by their gracious presence and invaluable speeches:

1. Prof. Kalplata Pandey, Vice Chancellor, JNCU, Ballia- Patron
2. Prof. Prithvish Nag, Ex Vice Chancellor, MGKVP, Varanasi- Chief Speaker
3. Prof. Nirmala S. Maurya, Vice Chancellor, VBS Purvanchal University, Jaunpur- Keynote Speaker
4. Prof. Chandrakala Padiya, Ex Vice Chancellor, Maharaja Ganga Singh University, Bikaner- Special Speaker
5. Dr Nisha Raghava- Coordinator, Women Cell, Organizing Secretary

Prof. Nirmala S. Maurya expressed her deep concern over marginalization of the half population in her keynote address. Prof Prithvish Nag spoke on the topic, 'Woman in Indian Culture: Past, Present and Future'. He focused on the issue that despite the significant contribution of women in all walks of life worldwide, the male-dominating society is not acknowledging it.

Prof. Chandrakala Padiya expressed her views on the dignity of women in present time. She specified the specific values of Indian women in relation to the western women.

Prof. Kalplata Pandey summarized the various issues addressed by the speakers.

Dr Nisha Raghav and Dr R. K. Upadhyaya coordinated the program. Dr Mamta Verma, Dr Udai Paswan, Ms Sandhya Pandey, Dr Anil Kumar, Dr Dayalanand Roy etc. were present in the webinar.

Dr. Nisha Raghav
Coordinator, Women Cell
JNCU & S.M.M.Town PG College, Ballia

प्रभात खबर 1 अगस्त, 2020, पेज २

महिलाओं के कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं दे रहा समाज

- जननायक चंद्रशेखर यूनिवर्सिटी की महिला प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम आयोजित
- दुनिया में नारियों की गरिमा को बहाल करने की जरूरत पर हुआ मंथन

वरिष्ठ संवाददाता ▷ बलिया

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारी: भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी के आरंभ में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्य ने बीज- वक्तव्य दिया. अपने वक्तव्य में उन्होंने आधी आबादी को हाशिये पर धकेले जाने पर चिंता जाहिर की. उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसे संजोते हुए पुनः नारियों की गरिमा को बहाल करने की जरूरत है.

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो पृथ्वीश नाग 'भारतीय संस्कृति में नारी: कल, आज और कल' विषय पर अपने विचार रखे. अद्यतन आंकड़ों और तथ्यों के हवाले से उन्होंने बताया कि दुनिया भर की महिलाएं तमाम क्षेत्रों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन विडंबना यह है कि हमारा पितृसत्तात्मक समाज उनके कार्यों को अपेक्षित महत्व नहीं देता. प्रो नाग ने कहा कि निश्चय ही हमें स्त्रियों के प्रति इस दृष्टिकोण को बदलना होगा. विशिष्ट वक्ता महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की पूर्व कुलपति प्रो चंद्रकला पाडिया ने 'वर्तमान समय में नारी की अस्मिता' विषय पर अपने विचार रखे. उन्होंने ने नारी- जीवन के विविध पक्षों का सूक्ष्म विश्लेषण किया और भारतीय स्त्री को पश्चिम की तुलना में विशिष्ट बताया. महादेवी वर्मा को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय नारी आसमान में चाहे जितनी ऊंची उड़ान भर ले, परंतु उसे अपने नीड़ में पहुंचने की आतुरता होती है और यह होनी भी चाहिए. अतिथि वक्ता सतीश चंद्र महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या प्रो प्रतिभा त्रिपाठी ने भारतीय संस्कृति को परिभाषित करते हुए स्त्रियों को उसका आधार कहा. उन्होंने कहा कि पश्चिमी प्रभाव के कारण 'लिव-इन रिलेशनशिप' जैसी बुराइयां हमारे समाज में आ रही हैं, यह चिंताजनक स्थिति है.

संगोष्ठी की अध्यक्षता जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो कल्पलता पांडेय ने की. अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति नारी बनाम पुरुष के रूप में इन दोनों का संबंध नहीं देखती, बल्कि यह इन दोनों के साहचर्य और सह-अस्तित्व को स्वीकार करती है. उन्होंने कहा कि आज की परिस्थिति में नारी का आत्मनिर्भर और स्वतंत्र होना जरूरी है, लेकिन ध्यान रहे यह स्वतंत्रता स्वच्छंदता का पर्याय न बने. विश्वविद्यालय के पदाधिकारी डॉ रविंद्र प्रताप राघव, डॉ दिलीप श्रीवास्तव, डॉ दयालानंद राय, डॉ जैनेंद्र पांडेय उच्च शिक्षा से संबद्ध प्राध्यापक, शोधकर्ता और विद्यार्थी इस वेबिनार से विभिन्न माध्यमों के जरिये जुड़े रहे. संगोष्ठी का समन्वय और संचालन डॉ निशा राघव व डॉ रामकृष्ण उपाध्याय ने किया. डॉ ममता वर्मा, डॉ उदय पासवान, संध्या पांडेय, डॉ अनिल कुमार ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग दिया.

वेब संगोष्ठी में ऑनलाइन जुड़े प्रबुद्धजन.

Ballia

विश्व में नारियों का रहा गौरवशाली इतिहास: प्रो निर्मला एस

BY BALLIA AJKAL — September 1, 2020

0 SHARES

रोशन जायसवाल

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'नारी: भारतीय एवं वैश्विक संदर्भ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के आरम्भ में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो निर्मला एस. मौर्य ने बीज- वक्तव्य दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने आधी आबादी को हाशिए पर धकेले जाने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में नारियों का गौरवशाली इतिहास रहा है, जिसे सँजोते हुए पुनः नारियों की गरिमा को बहाल करने की ज़रूरत है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महात्मा गांधी विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो पृथ्वीश नाग 'भारतीय संस्कृति में नारी: कल, आज और कल' विषय पर अपने विचार रखे। अद्यतन आंकड़ों और तथ्यों के हवाले से उन्होंने बताया कि दुनिया भर की महिलाएँ